

संज्ञा - सम् + ज्ञा  
 ↓ ↓  
 सम्यक् ज्ञान

संज्ञा का अर्थ होता है - 'नाम' अर्थात् किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान और भाव इत्यादिका सम्यक् ज्ञान

जैसे - मोहन, सोहन, जयपुर, कुर्सी, पेन, नदी, अमीरी, गरीबी, बुढ़ापा, बचपन इत्यादि

संज्ञा के तीन भेद होते हैं-

- ① → व्यक्तिवाचक संज्ञा
- ② → जातिवाचक संज्ञा
- ③ → भाववाचक संज्ञा

## ① व्यक्तिवाचक संज्ञा -

किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान  
इत्यादि के 'नाम' का बोध कराने वाले शब्द व्यक्तिवाचक  
संज्ञा शब्द कहलाते हैं -

जैसे - व्यक्तियों के नाम - रमेश, सुरेश, मोहित, रोहित, सीमा, रीमा इत्यादि  
वस्तुओं के नाम - उषा पंखा, खेतान कुल्लर, चप्पल कुर्सी, गोदान पुस्तक  
रेयनोल्ड पेन, VOLTAS ए.सी., videocon टी.वी. इत्यादि

**स्थानों के नाम-** गंगा नदी, अरावली पर्वत, अमेरिका, भारत,  
जोधपुर, कुम्हेर, खुशी ई-मित्र इत्यादि

**विशेष-** व्यक्तिवाचक संज्ञा का प्रयोग हमेशा एकवचन में  
किया जाता है, अर्थात् ऐसे एकवचन में किया  
जाता है जिसका बहुवचन न बनाया जा सके।



## ② जातिवाचक संज्ञा-

किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान इत्यादि की पूरी जाति या वर्ग का बोध कराने वाले शब्द जातिवाचक-संज्ञा शब्द कहलाते हैं-

जैसे- व्यक्ति- मनुष्य, स्त्री, पुरुष, भइकी, गाय, भैंस, बकरी, तोता, कबूतर, कुत्ता इत्यादि

**वस्तु** - पैखा, ली. वी., कूलर, फ्रिज, ए. सी. पुस्तक, पेन, कुर्सी,  
मेज, मोबाइल इत्यादि

**स्थान** - नदी, झील, पहाड़, देश, जिला, शहर, विद्यालय,  
ई-मित्र इत्यादि

**विशेष** - जातिवाचक संज्ञा का प्रयोग हमेशा बहुवचन में किया जाता है,  
प्रतीति ऐसे एकवचन में किया जाता है जिसका बहुवचन  
बनाया जा सके।

### ③ भाववाचक संज्ञा -

वे संज्ञा शब्द जो किसी भाव, अवस्था, गुण, दशा, भाकार, स्वभाव इत्यादि का बोध कराते हैं, भाव वाचक संज्ञा शब्द कहलाते हैं -

जैसे - सुख, दुःख, अमीरी, गरीबी, बुढ़ापा, बचपन, जवानी, दया, प्रार्थना, प्रेम, प्यार, मिठास, सौंदर्य इत्यादि

विशेष - भाववाचक संज्ञा का प्रयोग हमेशा एकवचन में किया जाता है, बहुवचन में प्रयोग होते ही भाववाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा बन जाती हैं